International Journal of Applied Research 2015; 1(8): 570-571

International Journal of Applied Research

ISSN Print: 2394-7500
ISSN Online: 2394-5869
Impact Factor: 5.2
IJAR 2015; 1(8): 570-571
www.allresearchjournal.com
Received: 08-05-2015
Accepted: 09-06-2015

Rakesh Kumar Sharma
Research Scholar, Business school, Faculty of commerce and Business Management Studies, Himachal Pradesh University Shimla-5

Correspondence:
Rakesh Kumar Sharma
Research Scholar, Business school, Faculty of commerce and Business Management Studies, Himachal Pradesh University Shimla-5

हिमाचल प्रदेश: ग्रामीण अर्थव्यवस्था के उभरते आयाम

Rakesh Kumar Sharma

हिमाचल प्रदेश एक विस्तृत पहाड़ी राज्य है1 हिमाचल प्रदेश की आर्थिक व्यवस्था में कृषि का महत्वपूर्ण योगदान है1 प्रदेश के 90%लोग ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं तथा 70% लोग कृषि पर निर्भर हैं1राज्य के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि व इससे जुड़े क्षेत्रों का लगभग 20% योगदान है1हिमाचल प्रदेश भारत के उत्तर –पश्चिम में स्थित एक प्रान्त है1 इसकी सीमायें उत्तराखंड,पंजाव,हरियाणा,जम्मू –कश्मीर के साथ-साथ तिब्बत के साथ भी लगती हैं1 हिमाचल प्रदेश में देवी-देवताओं का स्थान होने के कारण इसे देवभूमि भी कहा जाता है1 पहाड़ी क्षेत्रों को मिलाकर 25 जनवरी 1971 को इसे पूर्ण राज्य का दर्जा मिला1 हिमाचल प्रदेश की आबादी लगभग 70लाख है 1 आजादी के 67 वर्षों के उपरांत हिमाचल प्रदेश ने विकास की नई ऊँचाइयों को छुआ है1 हिमाचल में शिक्षा, स्वास्थय, सड़कें, स्वावलंबन, स्वरोजगार और सपन्नता अन्य राज्यों से अधिक वेहतर हैं1 हिमाचल प्रदेश में गरीबी,वेरोजगारी जैसी चुनोतियाँ अभी भी विकास के मार्ग में बाधा हैं,जिन्हें आने वाले समय में नियन्त्रण में लाना पड़ेगा1सड़कें ग्रामीण अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण अंग तथा प्रदेश के विकास की जीवन रेखाएं हैं1 प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना ने हिमाचल प्रदेश के गॉवों को सड़कों से जोड़कर एक नया अध्याय लिखा है1 प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान की जा रही है और विद्यार्थिओं को गुणात्मक शिक्षा सुनिश्चित देने के लिए नए शिक्षा संस्थान स्थापित किये जा रहे हैं1 हिमाचल प्रदेश में ग्रामीण समाज की अपनी अनूठी पहचान है1 ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी सांस्कृतिक परम्पराओं की धरोहर को संजोकर रखा जा हुआ है1 हिमाचल प्रदेश के लोक गीत,लोकनृत्य आज भी समाज को एकजुट रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं1 प्रदेश के लोगों ने सैनिक व सांस्कृतिक प्रहारों को झेलने के बाद भी संघर्ष करते हुए पीढ़ी दर पीढ़ी सांस्कृतिक मूल्यों को वचाए रखा1हिमाचल प्रदेश की अर्थव्यवस्था में कृषि,बागवानी,पर्यटन,उधोग एवं जलविधुत का महत्वपूर्ण योगदान है1

कृषि एवं बागवानी: हिमाचल प्रदेश में कृषि एवं बागवानी अर्थव्यवस्था का मुख्य हिस्सा हैं1प्रदेश में 70 % लोगों की आय कृषि एवं बागवानी पर निर्भर है1 राज्य में कृषि योग्य भूमि 10ण्4 प्रतिशत है1हिमाचल प्रदेश में 80ःभूमि वर्षा द्वारा सिंचित है और किसान इंद्र देवता की कृपा पर निर्भर रहते हैं1 प्रकृति ने हिमाचल प्रदेश को व्यापक रूप से कृषि बागवानी के अनुकूल जलवायु और परिस्थितियां दी हैं जिसके कारण प्रदेश में विविद फल एवं सब्जियाँ उगाने में मदद मिलती है1 प्रदेश में फलों एवं सब्जियों के विपणन हेतु 52 मंडियां कार्यरत हैं1 जिनमें लगभग 4 लाख टन फलों एवं सब्जियों का कारोवार हो रहा है1 बागवानी के विकास में हिमाचल प्रदेश ने देश में अपनी विशेष पहचान वनाई है1राज्य में 2ण्15 लाख हेक्टेयर क्षेत्र बागवानी के अधीन हैं और फल उत्पादन 8ण्18 लाख मीट्रिक टन हो गया है1 बागवानी क्षेत्र से राज्य की वार्षिक आय में लगभग 4098 करोड़ रुपय का योगदान है तथा लगभग 10लाख लोगों को प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्राप्त है1हिमाचल प्रदेश का सेव पूरे भारतवर्ष में मशहूर है1 हिमाचल प्रदेश में बागवानी प्रदेश की आर्थिक व्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है वहीँ चुनोतियों भी कम नहीं हैं1 ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों की व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता है1वरसात के दिनों में संपर्क टूट जाने से ग्रामीण क्षेत्रों से सब्जी एवं फलों को मंडी तक पंहुचाना वहुत मुश्किल और महंगा हो जाता है 1 वैश्विक चुनोतियों तथा बदलते मौसम के अनुसार उन्नत

किस्म के वीजों और पोधों की आवश्यकता भी किसानों एवं बागवानो के लिए जरूरी है1

पर्यटन: हिमाचल प्रदेश में पर्यटन की असीम संभाबनाएं हैं1पर्यटन के विस्तार से जहाँ एक ओर युवाओं को रोजगार मिल रहा वहीँ दूसरी ओर प्रदेश की आय में भी वृद्धि हो रही है1 शिमला, मनाली, रोहतांग, धर्मशाला, डलहौजी तथा खजियार मुख्य पर्यटक स्थल हैं1हर वर्ष पर्यटकों की संख्या में वृद्धि हो रही है लेकिन आधारभूत सुविधाओं का अभाव होने के कारण पर्यटकों को मुश्किलों का सामना करना पड़ता है1अच्छी सड़कें,पार्किंग व्यवस्था तथा अच्छे होटल पर्यटन को बढ़ावा देने में मूलभूत तंत्र हैं1राज्य को वर्षभर पर्यटकों के आकर्षण केंद्र बनाने तथा पर्यटन गतिविधियों में विविधता लाने की आवश्यकता है1राज्य के सतत पर्यटन विकास के लिए संसोधित पर्यटन नीति तैयार करने की जरूरत है1

जल-विधुत: जलविधुत एक ऐसा क्षेत्र है,जिसमें हिमाचल प्रदेश को स्वावलम्बी बनाने की क्षमता है1प्रदेश में 27436 मैगावाट जल–विधुत क्षमता है1हिमाचल प्रदेश में अभी तक जल–विधुत परियोजनाओं से लगभग 9000 मैगावाट विजली ही पैदा की जाती है1सरकारी,संयुक्त तथा निजी क्षेत्र के सहयोग से प्रदेश में उपलब्ध जल-विधुत का दोहन किया जा सकता है1अधिक जलविधुत के उत्पादन से प्रदेश में नए उधोगों की स्थापना तथा वर्तमान उधोगों का विस्तार किया जा सकता है1 उधोगों के विकास से प्रदेश में रोजगार के नए अवसर सृजित किए जा सकते हैं1

ग्रामीण विकास विभाग: ग्रामीण अर्थव्यवस्था का विकास हमारी योजना प्रक्रिया का प्राथमिक विषय है1योजना का लक्ष्य ग्रामीण तथा शहरी विभाजन को पाटना,गरीबी हटाना,रोजगार सृजन,मूल सरंचना विकास और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है1ग्रामीण विकास विभाग पंचायती राज संस्थाओं के सुदृढीकरण के लिए जिला ग्रामीण विकास अभिकरण (डी० आर० डी० ए०) के माध्यम से प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया जाता है ताकि योजनाओं तथा कार्यक्रमों का क्रियान्वयन ठीक तरह से किया जा सके1

ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत मनरेगा की योजना ने जहाँ एक तरफ रोजगार को बढ़ावा दिया वहीँ दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में नए आयाम स्थापित किये हैं1 जिला ग्रामीण विकास अभिकरण (डी० आर० डी० ए०)गरीबी उन्मूलन के कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में सभी जिलों में विशेष भूमिका निभा रहा है1 डी० आर० डी० ए० जिलों में गरीबी उन्मूलन और रोजगार सृजित करने वाली सभी संस्थाओं के वीच समन्वय बनाकर ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में अग्रणी भूमिका निभा रहा है1ग्रामीण विकास विभाग के कार्यों में पारदर्शिता और तेजी की वजह से योजनाओं का लाभ अनुसूचित जाति,जनजाति,महिलाओं,और विकलांगों तक पहूंच रहा है1गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले परिवारों के विकास के लिए चलाये जा रहे विभिन्न ग्रामीण विकास के कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में विकास खंड एक महत्वपूर्ण इकाई है1

हिमाचल प्रदेश में मनरेगा की योजना शुरू होने के वाद ग्रामीण विकास की गति तेज हुई तथा इस कार्य में महिलाओं की सहभागिता भी वढ़ी है1 हमीरपुर,मंडी तथा किन्नौर जिलों में मनरेगा के कार्यों में महिलाओं की सहभागिता 60: के आसपास है1 महिलाओं की सहभागिता से वच्चों की शिक्षा पर भी अनुकूल प्रभाव पड़ा है1मनरेगा कृषि आधारित ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजवूत बनाने में सहायक सिद्ध हो रहा है1इसके चलाने में पंचायती राज संस्थाओं की सक्रीय भूमिका के चलते ग्रामीण प्रशासन का विकेंद्रीकरण हो रहा है और इस तरह लोकतंत्र तथा पारदर्शिता की जड़ें मजवूत हो रही हैं1 मनरेगा की योजना से ग्रामीण क्षेत्रों में रास्तों का निर्माण,परम्परागत जल संसाधनों का नवीनीकरण,कृषि एवं बागवानी के कार्यों को गति मिली है1ग्रामीण विकास विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में वाटरशेड योजना के क्रियान्वयन के वाद जहाँ एक तरफ सिंचाई की व्यवस्था में सुधार हुआ वहीँ दूसरी तरफ जलस्तर में भी सुधार हो रहा है1 शुरू में वाटरशेड योजना के परिणाम अच्छे नहीं थे लेकिन धीरे–धीरे जनसहभागिता के कारण अच्छे परिणाम आ रहे हैं1वाटरशेड परियोजना हिमाचल प्रदेश में पहाड़ी क्षेत्रों में पर्यावरण सरंक्षण तथा भूमि-कटाव को रोकने में सक्षम भूमिका निभा रही है1

गुणात्मक शिक्षा तथा बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ देने में हिमाचल प्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में से एक है1जनसँख्या की दृष्टि से हिमाचल प्रदेश भारत में 20वें स्थान पर है तथा क्षेत्रफल की दृष्टि से 17 वें स्थान पर है1 प्रतिव्यक्ति की आय की दृष्टि से हिमाचल प्रदेश भारतवर्ष में चोथे स्थान पर पहूंच गया है जो कि एक महत्वपूर्ण उपलव्धि है1 हिमाचल प्रदेश की अर्थव्यवस्था ने जो गति पकड़ी है उसे आने वाले समय में नई ऊँचाइयों तक जाना है1समाज के सभी वर्गों का विकास तथा प्रदेश के सभी क्षेत्रों का सम्पूर्ण विकास हो ऐसी आर्थिक नीतियों का निर्माण करके ही हिमाचल प्रदेश का सर्वांगीण विकास हो सकता है1 कृषि एवं बागवानी,पर्यटन तथा जलविधुत को योजनाओं के विस्तार से जहाँ एकतरफ हिमाचल प्रदेश की अर्थव्यवस्था में सुधार होगा वहीँ दूसरी तरफ रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे1

केंद्र और प्रदेश सरकार की ओर से ग्रामीण युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं1 ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को स्वरोजगार उपलब्ध कराकर स्वावलम्बी बनाया जा रहा है1खादी ग्रामोधोग की ओर से करीब सौ से ज्यादा कारोवार ऐसे चलाये जा रहे हैं जो पूरी तरह से ग्रामीण पृष्ठभूमि पर आधारित है1हिमाचल प्रदेश में भी ऐसे कारोवारों को शुरू करने के लिए पहले ट्रेनिंग दी जाती है और युवाओं को बैंकों के माध्यम से ऋण मुहैया कराया जाता है1 इस तरह के कारोवार शुरू होने से ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन थमा है और ग्रामीण क्षेत्र के लोगों की आय में भी सुधार हुआ है1हिमाचल प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में लघु एवं कुटीर उधोग स्थापित कर गांवों में तैयार होने वाले उत्पादों को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है1

कृषि,बागवानी,पर्यटन, ग्रामोधोग तथा जलविधुत की योजनाएं हिमाचल प्रदेश की अर्थव्यवस्था के सुधार में हर दिन नए आयाम स्थापित कर रही है1

References:

1. Kurukshetra. A Journal on Rural Development May, 2014, 62(7).
2. Annual Administrative Report Department of Rural development, Himachal Pradesh, 2014-15.
3. State Institute of Rural development (SIRD), Research Highlights, 2013-14.
4. Annual Report of University of Forestry and Horticulture Solan Himachal Pradesh.